हमारी निवेश नीतियां सबसे बेहतर : नंदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन में अहम भूमिका निभा रहे औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उप्र सरकार की निवेश नीतियों को देश की सबसे आकर्षक नीतियां बताया है। रविवार को सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत में मंत्री नंदी ने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्देश्यों को साझा करने के साथ जीआइएस पर सवाल उठा रहे विपक्ष को भी निशाने पर लिया।

नंद गोपाल गुप्ता ने कहा कि निवेशकों के हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार 25 सेक्टोरल पालिसी लेकर आई है प्रदेश सरकार निवेश नीतियों में किया गया हर वादा निभाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि 2017 से 2022 तक उप्र तो उत्तम प्रदेश बना है और 2022 के बाद अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश संभावनाओं से भरपूर है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर देश-दुनिया में उत्साह देखने को मिल रहा है। यूपी को मिले 21 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। इस निवेश का लाभ प्रदेश के अंतिम

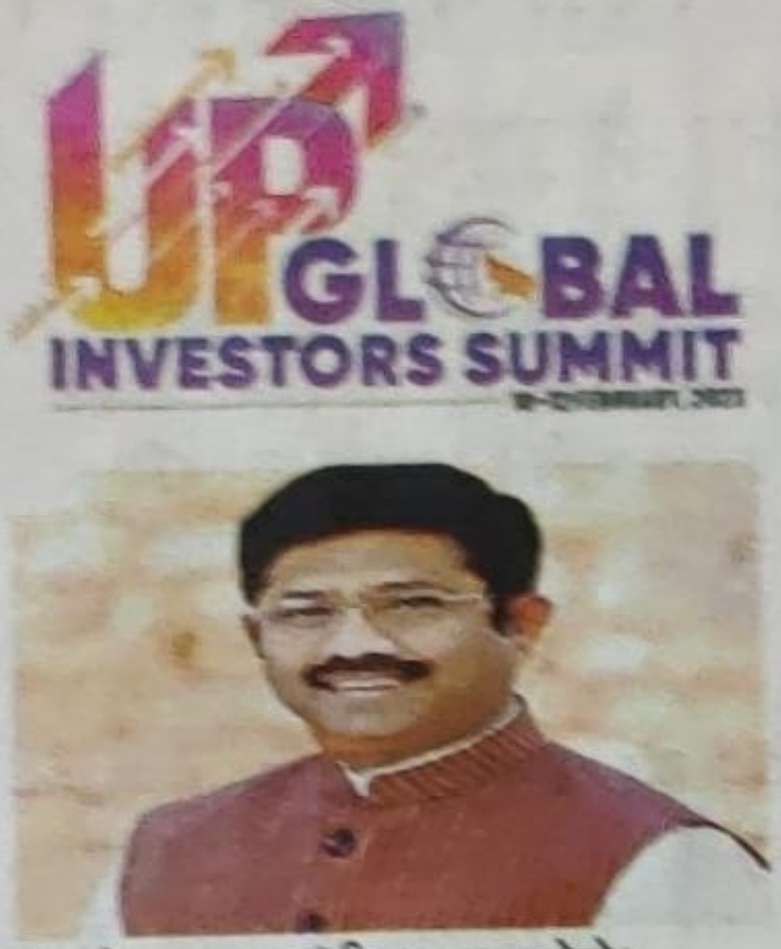

नंद गोपाल गुप्ता नंदी (फाइल फोटो)

- औद्योगिक विकास मंत्री नंदी ने कहा निवेशकों से किया हर वादा निभाएंगे

व्यक्ति को मिलेगा। निवेश आकर्षित करने के लिए पूंजीगत अनुदान सहित अन्य रियायतों से जुड़े सवाल पर नंदी ने कहा कि इससे सरकार की वित्तीय सेहत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

नंदी ने यह भी बताया कि अब तक 1800 करोड़ की सब्सिडी सरकार बांट चुकी है। उद्योगों के लिए भूमि की व्यवस्था पर कहा कि सरकार निजी औद्योगिक पार्क की योजना लेकर आई है। ग्राम सभा और पुरानी बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों की जमीन का भी उपयोग भी किया जाएगा।

सीड पार्क स्थापित करेगी हैदराबाद की कंपनी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : हैदराबाद की नुजीवीडु सीड्स कंपनी ने उप्र में सीड पार्क स्थापित करने की इच्छा जताई है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से रविवार को हैदराबाद में मुलाकात के दौरान कंपनी सीएमडी प्रभाकर राव ने सकारात्मक स्वीकृति प्रदान की है।

समाजवादी सरकार में परिवारवाद हावी रहा तो बसपा में भ्रष्टाचार

मंत्री नंदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को सवाल उठा रहे विपक्षी दलों को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में परिवारवाद हावी रहा और बसपा शासनकाल में भ्रष्टाचार। जीआइएस पर सवाल उठाने वाले वाले बयानबाजी करने के स्थान पर हमसे जवाब मांगे। हम बताएंगे कि कितना निवेश धरातल पर उतरा। वर्ष 2018 की इन्वेस्टर्स समिट में 4.68 लाख करोड़ के एमओयू हुए थे, इनमें चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का एमओयू धरातल पर है।